**भारत की राष्ट्रपति**

**श्रीमती द्रौपदी मुर्मु**

**का**

**वर्ष 2025 Batch के IPS Probationers को सम्बोधन**

**नई दिल्ली - 10 नवंबर, 2026**

प्रिय युवा अधिकारियो,

अत्यंत कठिन प्रतियोगी परीक्षा में अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर सफलता प्राप्त करके आप सब, सर्वोच्च पुलिस सेवा के माध्यम से देश की सेवा करेंगे। अपने प्रशिक्षण के प्रथम चरण को आप सबने सम्पन्न किया है। इन उपलब्धियों के लिए मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देती हूं।

भारत विश्व का सबसे विशाल लोकतन्त्र है। हमारी अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से वृद्धि करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है। सुशासन और आंतरिक सुरक्षा द्वारा, पुलिस सेवा ने, इन उपलब्धियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके लिए मैं निष्ठावान IPS अधिकारियों की हृदय से सराहना करती हूं।

प्रिय युवा अधिकारियो,

अपने career के आरंभ से ही आप नेतृत्व की भूमिका में रहेंगे। आपको अपनी टीम के सदस्यों को प्रोत्साहित रखना होगा। शिक्षा और technology के प्रसार के कारण, अब सभी स्तरों पर कार्य करने वाले लोग पहले की अपेक्षा अधिक जानकार होते हैं। कुछ कर्मचारी technology के उपयोग में वरिष्ठ अधिकारियों

से अधिक सक्षम होते हैं। आपको अपनी टीम के सबसे junior सदस्यों से भी सीखने में संकोच नहीं करना चाहिए।

जनसेवा के कार्य करते हुए, विभिन्न स्तरों के पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ, मेरा संपर्क रहता था। मैंने देखा है कि जो अधिकारी अपने कार्यक्षेत्र में स्वयं जाया करते थे, लोगों को अपनी बात कहने का अवसर देते थे तथा अपनी टीम के सदस्यों से परामर्श करते थे वे अधिक प्रभावी निर्णय और समाधान कर पाते थे। जन-भागीदारी और team work आपकी कार्यशैली का हिस्सा होना चाहिए। अपनी टीम के सभी सदस्यों तथा उनके परिवारजन के welfare को प्राथमिकता देकर आप उनकी क्षमता भी बढ़ाएंगे और उनका उत्साह भी।

कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां आ सकती हैं जिनमें नैतिकता के मार्ग पर चलने वाला अधिकारी स्वयं को अकेला महसूस करे। ऐसी स्थिति में भी, आपको पूरे साहस के साथ, अपने निर्णय पर अडिग रहना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में अपने लंबे अनुभव के आधार पर, मैं आपको आश्वस्त करती हूं कि सही निर्णय लेने वाले अधिकारी सफलता भी पाते हैं, सम्मान भी पाते हैं और सार्थकता का अनुभव भी करते हैं।

प्रिय प्रशिक्षु अधिकारियो,

सामान्य जनता के लिए, पुलिस अधिकारी और सिपाही शासन का प्रतीक होते हैं। जहां पुलिस व्यवस्था अच्छी होती है वहां के लोग कहते हैं कि governance अच्छा है। पुलिस अधिकारी संवेदनशीलता के साथ किसी के grievance को बहुत ध्यान से सुन लेते हैं तो उस व्यक्ति को बहुत सहारा महसूस होता है।

जिन व्यक्तियों की बड़े अधिकारियों तक पहुंच नहीं है, जो सामाजिक या आर्थिक दृष्टि से कमजोर हैं, ऐसे लोगों के भय को दूर करना तथा उनकी समस्याओं का समाधान करना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

हमारे पुलिस बल द्वारा सामाजिक बदलाव और महिला सशक्तीकरण को प्रचुर योगदान दिया जा सकता है। मुझे बताया गया है कि पिछले तीन batches में महिला IPS अधिकारियों की संख्या एक चौथाई या उससे अधिक रही है। पुलिस की वर्दी में प्रत्येक महिला, सामाजिक बदलाव का अत्यंत महत्वपूर्ण प्रतीक भी है और माध्यम भी।

संदर्भ बदलते हैं, technology बदलती है, यहां तक कि समाज भी बदलता है। परंतु कुछ आदर्श हमेशा प्रासंगिक रहे हैं, और रहेंगे, चाहे आज से लगभग 2300 वर्ष पहले के ग्रंथ 'अर्थशास्त्र' में उल्लिखित शासन पद्धति हो, या आज की परिस्थितियां हों। सच्चाई, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और 'राष्ट्र प्रथम' के जीवनमूल्य तब भी श्रेष्ठ माने जाते थे और आज भी सर्वोपरि माने जाते हैं।

Dear probationers,

You will derive a lot of authority from the laws and rules related to policing. However, you will earn real respect from the people, based on your performance and value-system. You should have a sense of commitment to serve ordinary citizens and not of superiority over them.

The scope and context of the responsibilities of an IPS officer are changing and expanding. Artificial intelligence and digital technology can be used as tools of effective policing. But these tools are also being used for causing many serious problems which impact a large number of people and institutions across countries. Spreading mis-information to trigger fear among the people is emerging as a serious issue. Impressionable minds, specially the youth, can be swayed by orchestrated dis-information. This kind of orchestrated mischief can happen at local, regional, or even national levels. Smart policing can prevent such situations from getting too challenging and big. The chief

architect of our Constitution, Dr. Babasahab Ambedkar had stated in the Constituent Assembly that there was no justification for what he called the ‘Grammar of Anarchy’. His message should be the guiding light for every Indian, especially for officers like you for strengthening our democracy.

Cyber-crimes are getting widespread and more serious. It appears that even most serious cyber-crimes do not generate the kind of outrage that conventional crimes do in the minds of the people. For example, a robbery in a shop creates a great sense of insecurity in the neighbourhood. It is natural and justified. However, it appears that people do not feel this kind of outrage at the news of an old couple getting robbed of their huge savings of entire life-time through digital arrest. The police have to more extensively sensitise the society about the gravity of cyber-crimes. In order to do that, police officers have to re-orient their own approach towards such crimes. Deep-fake-content poses new threats to people. Our police officers have to always stay ahead of the criminals who use state-of-the-art technologies.

Displaying high integrity and being incorruptible are hallmarks of a good officer. However, truly good officers are those who are equally admired for their ability to provide prompt and effective solutions.

During your career, you will be given diverse assignments. You may like some postings and may not feel so happy about some other assignments. I suggest that you give your best to every posting you get so that you leave behind memories and impressions of being an officer who strengthened the image of the institution, inspired the members of the team, and earned the respect and trust of the people you served. I wish you all a very successful and fulfilling future ahead.

धन्यवाद!

जय हिन्द!

जय भारत!